

74

मर्क

हमारे धन रेवा नाम की खेती ॥२॥

रेवा नाम की खेती sssss

रेवा नाम की खेती-खेती--

रेवा नाम की खेती हमारे धन---

सात जनम के पापों से मर्क

पल में मुक्ति देती sssss

हमारे धन-----

सत्य धर्म के बीज उन्नोखे

सबके हित में बोती sssss

हमारे धन----

ऐसी रेवा नहीं मिलेगी

पुत्र प्रेम में खेती sssss

हमारे धन----

आँधी क्या लूफानों में मर्क

हँसत-हँसत नैया खेती sssss

हमारे धन----

निर्विकार और कर्मविधि से

दुखड़े सब हर लेती sssss

हमारे धन-----

मर्क के आगे धूल बराबर

लगते हीरा मोती sssss

हमारे धन---

रो-रो दास "श्री बाबा श्री" पुकारें

दो मर्क ज्ञान की जोती sssss

हमारे धन---